**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या: 668**
**गुरुवार, 6 फ़रवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक), को दिया जाने वाला उत्तर**

**<u>तमिलनाडु में विमानपत्तन</u>**

**668. डॉ. गणपथी राजकुमार पी.:**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तनों की संख्या कितनी है;

(ख) तमिलनाडु में उड़ान योजना के अंतर्गत कितनी उड़ानें संचालित की जा रही हैं;

(ग) क्या होसुर, तमिलनाडु में विमानपत्तन की स्थापना के अनुमोदन के बावजूद इसमें बाधाएं आ रही हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>
**<u>नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)</u>**

(क): वर्तमान में, तमिलनाडु में छः प्रचालित हवाईअड्डे हैं, जिसमें चेन्नई, कोयम्बटूर और तिरुचिरापल्ली में अवस्थित तीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे, मदुरै में एक सीमा शुल्क अधिसूचित हवाईअड्डा और सेलम तथा तूतीकोरिन में दो अंतरदेशीय (घरेलू) हवाईअड्डे शामिल हैं।

(ख): 'उड़ान' योजना के शुरू होने के बाद से, इस योजना के तहत तमिलनाडु में हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 26 मार्गों का प्रचालन शुरू किया गया है। आज की तारीख में, इनमें से 22 मार्ग प्रचालित हैं।

(ग) और (घ): होसुर में मौजूदा हवाईपट्टी मैसर्स तनेजा एयरोस्पेस एंड एविएशन लिमिटेड (टीएएएल) का है और उनके द्वारा इसका प्रचालन एक निजी हवाईपट्टी के रूप में किया जा रहा है। क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत बोली प्रक्रिया के पहले दौर में टर्बो एविएशन प्राइवेट लिमिटेड ने चेन्नई-होसुर-चेन्नई आरसीएस मार्ग के लिए बोली प्रस्तुत की थी। तथापि, नागर विमानन मंत्रालय और बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) के बीच हस्ताक्षित रियायत समझौते के प्रावधानों के कारण यह मार्ग इस एयरलाइन को अवार्ड नहीं किया गया, जिसमें यह प्रावधान है कि बेंगलुरु हवाईअड्डे के उद्घाटन की तारीख जो 24 मई, 2008 है, उससे पच्चीसवीं वर्षगांठ तक इस हवाईअड्डे के 150 किलोमीटर की हवाई दूरी के भीतर किसी भी नए या मौजूदा हवाईअड्डे (मैसूर और हासन हवाईअड्डों को छोड़कर और वह भी केवल घरेलू उद्देश्यों के लिए) को घरेलू हवाईअड्डे/ अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के रूप में विकसित, सुधार या उन्नयन करने की अनुमति नहीं है। इसलिए, बोली प्रक्रिया के अनुवर्ती दौरों के लिए होसुर हवाईअड्डे को 'उड़ान' दस्तावेज़ में शामिल नहीं किया गया था।

*******